

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhwabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरुवार 1 से 7 अक्तूबर 2026 ❖ वर्ष : 17 ❖ अंक - 17 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं. AT1/RNP/268/2025-2027 ❖ डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHJIN/2010/43881

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

जीवन में सेवा और प्रेम अगर निस्वार्थ और बिना किसी चाहत के किया जाए तो वह स्वयं ही दूसरे के दिल में प्रेम बनाने की ताकत रखता है. स्वार्थी प्रेम, सेवा कभी न कभी सामने आती है. सम्मान प्राप्त करने के लिए दिल की आवाज पर सेवा करने का प्रयास सदैव करना चाहिए. जीवन की अंतिम सांस किसी को पता नहीं होती है लेकिन प्रयास करना चाहिए कि जितना बन सके, किसी की मदद करने के साथ मानवता धर्म निभाएं.

बारिश की समस्या रहेगी बरकरार, किसान परेशान

विदर्भ स्वाभिमान, 30 सितंबर मुंबई- महाराष्ट्र में इस साल उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हुई है. इस वजह से खेती को बहुत नुकसान हुआ है. बारिश का इंतजार करते-करते किसान सचमुच घबरा गए हैं. किसान अभी भी आसमान की तरफ देखकर बारिश का इंतजार कर रहे हैं. लेकिन इस साल बारिश ने मंह मोड़ लिया है. कुछ इलाकों में थोड़ी बारिश हो भी रही है. लेकिन एक बार आकर चली जाती है तो उस इलाके में जल्दी वापस नहीं आती. क्या ऐसा है जैसे बारिश किसानों से बिछड़ गई है? ऐसा बताव कर रही है. बारिश न होने की वजह से राज्य के 75 परसेंट हिस्से में सूखा घोषित कर दिया गया है. फिर भी किसानों को बारिश की उम्मीद है. इस बीच, मौसम एक्सपर्ट पंजाबराव दाख ने भविष्यवाणी की है कि आज से अगले दस दिनों तक बारिश नहीं होगी. आसमान सूखा रहेगा.

पंजाबराव दाख ने अनुमान लगाया, 'विदर्भ में अभी भारी बारिश हो रही है. पूर्वी विदर्भ में ज्यादा बारिश हो रही है. गढ़चिरोली, वर्धा, नागपुर, भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर, यवतमाल जिलों में दो दिनों तक भारी बारिश की उम्मीद है. लेकिन पश्चिमी महाराष्ट्र, दक्षिणी महाराष्ट्र और उत्तरी महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है. वहां मौसम सूखा रहेगा. मौसम के कारण पहले ही परेशान किसानों की दिक्कत बढ़ने की आसार है.

निःस्वार्थ सेवा से मिलता ही दिली सुकून

सबसे अधिक डिग्रियों के साथ डॉ.राजू डांगे मानवता, समाज तथा राष्ट्र सेवा में भी रहते आगे

विदर्भ स्वाभिमान, 30 सितंबर अमरावती- जिले में कई भूषण हुए हैं, इनमें से ही एक के रूप में बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी एड.डॉ.राजू रामराव डांगे भी हैं. 14 से अधिक डिग्रियों के साथ विद्वता में विनम्रता जहां उनकी खूबी है, वहीं उनका मानना है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कोई भी कार्य वह चाहे स्वयं के लिए, समाज के लिए अथवा मानवता के लिए हो सदैव सुकून देता है. सेवा परमोधर्म को अपना सिद्धांत मानने वाले डॉ. राजू डांगे न केवल अमरावती विदर्भ, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व हैं. कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने विश्व के 18 से अधिक

देशों में ऑनलाइन योग कक्षाएं लेकर हजारों लोगों को योग से जोड़ने के साथ ही बेहतरीन स्वास्थ्य बनाए रखने में योगदान दिया था.

अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. परमात्मा अथवा प्रकृति ने हर जीव को किसी न किसी उद्देश्य से पैदा किया है, हर जीव का अपना महत्व होता है, ऐसे में मानव बनकर हमें सदैव दुःखी, पीड़ितों की सेवा यथासंभव करने का प्रयास करना चाहिए. अगर हम सेवा नहीं कर सकें तो कम से कम इतना भी कर सकें कि हमारे कारण किसी को तकलीफ नहीं होनी चाहिए और जितना संभव हो सके, अपने से



कमजोर व्यक्ति को सहयोग देने का प्रयास करना चाहिए. उनका मानना है कि आदर्श संस्कार बचपन में मिलना चाहिए और यह जीवन में सदैव प्रभावी रहता है.

संघर्ष ही सफलता का मंत्र
बातचीत में स्वयं आज भी सर्वाधिक

व्यस्त रहने वाले डॉ. राजू डांगे का कहना है कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है. ईमानदारी, समर्पण से किया गया संघर्ष ही सफलता की सबसे बड़ी गारंटी होता है. परिवार की खुशी को सबसे बड़ी खुशी बताते हुए उन्होंने कहा कि संस्कार और आदर्श आचार-विचार माता-पिता तथा परिवार से मिलते हैं. जीवन में समय के साथ दिनचर्या का अपना महत्व होता है. वे कहते हैं कि वह स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं, जिन्हें आदर्श माता-पिता, भाई, जीवनसाथी वंदना डांगे तथा बेटा और बेटे भी आज्ञाकारी मिले हैं. उन्होंने अपनी मेहनत से अपना स्वयं का स्थान बनाया है. युवाओं को निर्व्यसनी रहकर लक्ष्य तय करने की सलाह भी दी.

चमक रहा है भारत, कबड्डी में भी आगे

विदर्भ स्वाभिमान, 30 सितंबर नई दिल्ली- जापान के नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में भारत के लिए शनिवार का दिन खास रहा. कबड्डी में भारत को दोहरी खुशी मिली. पहले महिला टीम (37-34) ने ईरान को हराकर गोल्ड मेडल जीता. भारतीय मंस टीम ने ईरान को 40-34 से हराया. इस जीत के साथ भारत ने मंस कबड्डी में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करते हुए 9वां एशियाई खेल गोल्ड मेडल जीता. साथ ही इस खेल में देश का दबदबा और मजबूत किया. एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह चौथा गोल्ड मेडल है. पहले हाफ में ईरान का दबदबा खने को मिला. हाफ-टाइम तक

ईरान 18-17 से आगे हो जाता है. हालांकि, दूसरे हाफ में भारतीय टीम जोरदार वापसी करती है. फाइनल मैच की शुरुआत से ही रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें भारत और ईरान के बीच कड़े संघर्ष के साथ पॉइंट्स का आदान-प्रदान हुआ. अर्जुन देशवाल और देवांक दलाल ने आक्रामक रेंड के साथ भारत के अटेक की कमान संभाली, जबकि अली समदी चौबतराश ने ईरान के लिए शुरुआती चनौती पेश की. सुनील कुमार ने डिफेंस में मोहम्मदरेजा शादलुईचियानेह पर एक अहम 'सुपर टैकल' करके तुरंत अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, वहीं अर्जुन ने टच और बोनस क्रे दम पर जिताया.

रियल होलसेल शोपिंग मॉल

श्रद्धा बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी पर साव ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 ग माला, तखतमाल इस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजलीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लग भग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक डायरेक्ट फैक्टरी

सेल आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शातू • डिझायवर साझा • पाघरा ओढवी • सतवार सुट
• ड्रेस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L-2, बिजलीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

किसानों पर सरकारी संवेदनशीलता सराहनीय

अमरावती सहित राज्य में समचित बारिश नहीं होने के कारण किसान की फसलें सूख गई हैं। चारे पानी के संकट के अलावा आजीविका चलाने के लिए किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य के किसानों की इसी दिक्कत को ध्यान में रखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं खेतों में पहुंचकर जहां खेती के हुए नुकसान का जायजा लिया वहीं उन्होंने किसानों को खाद्यान्न शिक्षा और चारा पानी का इंतजाम सरकार द्वारा करने की जानकारी दी। अमरावती में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को भगवान भरोसे नहीं छोड़ेगी और आगामी त्यौहार भी किसानों के लिए अंधेरे में नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि बारिश के अभाव में हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण किया जाए और इसके रिपोर्ट सरकार को भेजी जाए। उनके मुताबिक सरकार केंद्र सरकार से निधि मिलने तक इंतजार नहीं करेगी और प्रभावित किसानों को हर तरह की सरकारी मदद देने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से किसानों को निश्चित ही डूबते को तिनके का सहारा जैसा एहसास हो रहा है और उसके लिए किसानों की नजरें सरकार द्वारा दी जाने वाली मदद पर लगी हुई हैं। मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ प्रशासन में जब तक संवेदनशीलता नहीं आती है तब तक किसानों का दर्द खत्म नहीं हो सकता है इससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता है। सरकार द्वारा घोषणा के बाद प्रशासन को चाहिए कि वह स्वयं किसानों के मामले में संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जल्द से जल्द सर्वेक्षण और सरकार को रिपोर्ट भेज कर किसान की मदद के मामले में अपनी ओर से भी संवेदनशीलता का परिचय दें। पिछले कुछ वर्षों से मौसम की परेशानी के कारण किसानों का भारी नुकसान हो रहा है इतना ही नहीं तो राज्य में किसानों की आत्महत्या भी तेजी से बढ़ी है। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, फसल नुकसान और कृषि संबंधी कठिनाइयों से राहत देने के लिए विभिन्न सहायता योजनाएं लागू की हैं। राज्य के राहत एवं पुनर्वसन विभाग के अनुसार प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान होने पर पात्र किसानों को निर्धारित मानदंडों के अनुसार आर्थिक सहायता दी जाती है। सरकार के अनुसार 2025 में अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए भी व्यापक आर्थिक सहायता वितरित की गई। फरवरी 2026 के राज्यपाल के अभिभाषण में बताया गया कि जून से अक्टूबर 2025 की प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के खातों में फसल, कृषि भूमि और अन्य संबंधित मदों के लिए 15,576 करोड़ की सहायता जमा की गई। मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ सरकार की सराहना की जानी चाहिए। किसानों को भी संयम तथा हिम्मत से काम लेना चाहिए।

शहर पुलिस की सराहनीय व्यवस्था



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



शहर के साथ ही समूचे जिले में त्यौहारों का सिलसिला शुरू हो गया है। इसकी पहली कड़ी के रूप में रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश के पर्व गणेशोत्सव को शहर के साथ ही जिले में उत्साह से मनाया गया। जिले में शांतिपूर्ण कार्यक्रम होने के लिए शहर के साथ ही जिले की पुलिस की सराहना की जानी चाहिए। जिस तरह से शहर में गणेशजी की स्थापना से लेकर विसर्जन तक शांति और व्यवस्था बरकरार रखी गई, उसके लिए संवेदनशील पुलिस आयुक्त राकेश ओला तथा जिले के दबंग ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम के साथ ही खोलापुरी गेट की थानेदार सीमा दातालकर, राजापेट थाने के सदीप चव्हाण, नागपुरी गेट के थानेदार सहित पूरे शहर के दस थानों के थानेदारों तथा जवानों की भी सराहना की जानी चाहिए। जिले में 12 दिनों से रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान गणेश की आराधना भक्ति भाव तथा विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के साथ की जा रही थी। शुक्रवार 25 सितंबर से अमरावती शहर तथा जिले में गणेश जी को अगले बरस जल्दी आके आमंत्रण के साथ विदाई देने का सिलसिला शुरू होकर यह भी पूरी तरह से शांतिपूर्ण तरीके से बीता। गणेश उत्सव के दौरान जहां भक्ति भाव की गंगा भी वहीं दूसरी ओर इस उत्सव के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार भी मिलता है, इसे भी गणेश जी की कृपा कहना गलत नहीं होगा। शहर में

साथ-साथ शांति, अनुशासन और प्रशासन के निर्देशों का भी पालन किया गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और जनजागृति का भी पर्व है। विसर्जन के दौरान विभिन्न मंडलों और श्रद्धालुओं ने जिस संयम का परिचय दिया, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। कहीं भक्ति के स्वर गूँजे तो कहीं सामाजिक संदेशों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। हर वर्ष विसर्जन के दौरान भीड़, यातायात, ध्वनि प्रदूषण और नदी-तालाबों की स्वच्छता जैसी चुनौतियां सामने आती हैं। इस बार शांतिपूर्ण वातावरण में विसर्जन संपन्न होना प्रशासन, पुलिस, स्वयंसेवी संगठनों, गणेश मंडलों और नागरिकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम माना जा सकता है। हालांकि, इस व्यवस्था को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए वर्षभर नागरिक अनुशासन और स्वच्छता की आदतों में बदलने की आवश्यकता है। बाप्पा की विदाई के साथ उत्सव भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन गणेशोत्सव का संदेश हमारे बीच बना रहना चाहिए। भक्ति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, उत्सव के साथ पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धा के साथ सामाजिक एकता यही बाप्पा की सच्ची सीख है। प्रशासन का अभिन्न होना चाहिए।

दिल के राजा हैं सचिव डॉ. मनीष दुबे

जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

कहते हैं कि जीवन में सबसे बड़ा कार्य प्रमुख रहकर परिवार संभालना होता है। जिस तरह से पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं होती हैं, उसी तरह हर सदस्य की सोच अलग होती है। ऐसे में परिवार प्रमुख की परीक्षा और कसरत दोनों होती हैं। उससे भी चुनौतीपूर्ण किसी समाज का नेतृत्व करना और सभी समाज सदस्यों को साथ लेकर चलना, सभी की सुन लेना और कोई सुना भी दे तो संयम बरतना। श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा सचमुच भाग्यशाली है, जिसे उच्च विद्याविभूषित, सभी को साथ लेकर चलने वाले डॉ. मनीष दुबे जहां नेतृत्व कला में माहिर हैं, वहीं सभी से जिस तरह से प्रसन्न होकर खुश होकर बात करते हैं, सभी की बातें सुनते हैं, कोई सुना भी देता है विनम्रता के साथ उसका भी समाधान करने का प्रयास करते हैं, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है। सरयूपारिण ब्राह्मण सभा निश्चित ही भाग्यशाली संगठन कहना चाहिए, जिसके सचिव का दायित्व पूरी निष्ठा, समर्पण और पक्षपात नहीं करते हुए निभा रहे हैं। उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं। वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और अपने कार्यों से समाज का दिल



विदर्भ स्वाभिमान



जीतें, समाज को तरक्की की राह पर आगे बढ़ाने में सफल रहें, हम यही कामना करते हैं। समाज के बच्चों, बड़ों, महिलाओं की किसी भी कामयाबी पर उनका अभिन्न करुणा, स्तुति करने जैसे उपक्रमों ने उन्हें हटकर बनाया है। समाज में उनके प्रति हर व्यक्ति के मन में सम्मान है। वे भी अपने सहज, सरल, विनम्र स्वभाव से इसे बरकरार रखते हुए

चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी को भी आसानी से निभा रहे हैं।

समाज के दसवीं, बारहवीं के मेधावी छात्रों के सत्कार के साथ ही बेहतरीन कैरियर के बारे में जहां मार्गदर्शन करते हैं, वहीं समाज के किसी व्यक्ति द्वारा बड़े पैमाने पर होने वाले भव्य आयोजन की सफलतायें जी-जान से प्रयास करते हैं। त्रिगुणीनारायण मिश्रा परिवार द्वारा ली गई श्रीमद् भागवत कथा के दौरान समाज ने इसका अनुभव किया। विनम्रता इतनी की छोटों से भी बात करते समय सम्मान दिए बिना नहीं रहते हैं।

डॉ. मनीष दुबे केवल अपने शिक्षक के पेशे से पहचान बनाने वाले व्यक्तित्व नहीं, बल्कि अपनी आत्मीयता, विनम्रता और मिलनसार स्वभाव से समाज तथा शहर के हर वर्ग के लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाने वाले इंसान हैं। उनका सहज व्यवहार और हर व्यक्ति से अपनत्व के साथ मिलने की शैली उन्हें दूसरों से अलग पहचान देती है। समाज के आदर्श सचिव के रूप में वे जहां लोकप्रिय हुए हैं, वहीं कर्म को सबसे बड़ा धर्म मानते हैं। उनके मुताबिक सामाजिक एकता से ही ताकत बनती है। वही समाज प्रगति करता है, जिसमें एक-दूसरे की टांग नहीं खींची जाती और गलतियों को भी

शेष पेज 7 पर

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती में प्रकाशित किया गया है। मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189. अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं। इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सी.वीणा सुभाषचंद्र दुबे. Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com. www.vidrabhswabhiman.com, rni. no MAHHIN/2010/ 43881

बहुआयामी व्यक्तित्व हैं डॉ. राजूभाऊ डांगे

अधिकाधिक शैक्षणिक पदवियों के साथ अमरावती के डॉ. जिचकार कहे जाने वाले अर्जुन नगर निवासी डॉ. राजूभाऊ डांगे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। शहर के डॉ. जिचकार यह बात विधान परिषद के सभापति डॉ. रामभाऊजी शिंदे साहब इन्होंने सांस्कृतिक भवन अमरावती में एक विशाल परिचय सम्मेलन में सार्वजनिक रूप से अपने संबोधन में कही है। 14 पदवी या पदविका के साथ जहां शिक्षा क्षेत्र में विद्वान के रूप में सुख्यात हैं वहीं दूसरी ओर जेसीआई के राष्ट्रीय प्रशिक्षक तथा अंतराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ के रूप में कोरोना के दौर में विश्व के 18 देश के नागरिकों को सुबह-सुबह ऑनलाइन योगा की शिक्षा देने का कार्य भी बखूबी किया है।

विद्वत्ता में विनम्रता और प्रेरणादाई व्यक्तित्व जहां उनकी खूबी है वहीं बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में अमरावती ही नहीं तो विदर्भ स्तर पर वे जाने-पहचाने जाते हैं। डॉ. राजूभाऊ डांगे का व्यक्तित्व ज्ञान, संवेदनशीलता, सामाजिक

सरोकार और सकारात्मक सोच का सुंदर संगम है। अपने कार्यक्षेत्र के प्रति समर्पण के साथ-साथ समाज और विद्यार्थियों के प्रति जागरूकता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है।

प्रेरणादाई शिक्षा और सामाजिक दायित्वों से जुड़े विभिन्न अवसरों पर उनका सक्रिय योगदान देखने को मिलता है। सार्वजनिक कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में उनके विचार तथा मार्गदर्शन लोगों के लिए उपयोगी साबित होते हैं। वे एक प्रभावशाली वक्ता हैं। निराशा लोगों के जीवन में जहां हिम्मत देने का कार्य उनके उदाहरण करते हैं वहीं दूसरी ओर स्वयं भी कथनी और करनी में अंतर नहीं रखते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मैगजीन इंटरनेशनल हेराल्ड मैगजीन ने उनके कार्यों की दृष्टि से उनकी जानकारी फोटो के साथ फ्रंट कवर पेज देकर ली है। उन्हें अमरावती की शान कहना गलत नहीं



होगा। पत्नी वंदना डांगे भारतीय जीवन बीमा निगम की वरिष्ठ अधिकारी हैं और बेटा और बेटा भी उच्च शिक्षित रहकर माता-पिता के आदर्श संस्कार पर लगातार प्रगति कर रहे हैं।

योग के बारे में जागरूकता के साथ ही वह सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों में भी उत्साह से सहभाग

लेते हैं और इन कार्यों में सदैव उनका योगदान होता है। डॉ. गोविन्द कासट मित्र मंडली के वे वरिष्ठ सदस्य हैं, उनके जीवन पर एक पुस्तिका भी प्रकाशित हुई है। उन्होंने बीएससी, बीए, एमएसडब्ल्यू, एम.ए., एमए इन योग, पीजीएचआर, पीजीएचई, डी.जे.एलएलबी, एलएलएम, लॉ में पीएचडी, डी.लिट सहित अन्य डिग्रियां भी हासिल की हैं।

बहुआयामी व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यही होती है कि वह केवल अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ज्ञान, शिक्षा, योग और अनुभव को समाजोपयोगी बनाने का प्रयास करता है। डॉ. राजू डांगे भी इसी भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सकारात्मक सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हैं। उनका जन्मदिन 1 अक्टूबर को है इस उपलक्ष्य में उन्हें अग्रिम मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

उनका व्यक्तित्व युवा पीढ़ी के लिए

प्रेरणादायक है। उनका मानना है कि जीवन में हर स्थिति में खुश रहने के साथ ही किसी भी काम को छोटा नहीं समझना चाहिए जिससे व्यक्ति कभी निराश या उदास नहीं होता है। इसी दृष्टि से डॉ. राजू डांगे को एक बहुआयामी और समाजहितैषी व्यक्तित्व के रूप में देखा जा सकता है। सामाजिक कार्यों में जहां उनका उत्साह देखने लायक रहता है वहीं दूसरी ओर शहर में सेवाभावी उपक्रमों के लिए सुख्यात डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल के माध्यम से सेवाभावी कामों में वे सदा समर्पित रहते हैं।



सुदर्शन गंग, आनंद परिवार, अमरावती.

बहुगुणी, निराशा से उबारने वाले व्यक्तित्व

जन्मदिन पर विशेष - डॉ. राजू डांगे हैं हजारों के प्रेरणास्त्रोत, कई दर्जन पुरस्कारों से सम्मानित, शहर के हैं गर्व



अमरावती जिले ही नहीं तो योग के क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाने वाले डॉ. राजू डांगे जितने विद्वान हैं, उतने ही विनम्र हैं। जीवन में सदैव सकारात्मक सोच रखने के साथ ही मित्रों में भी यही भावना भरने का जहां प्रयास है, वहीं अमरावती में सर्वाधिक डिग्रियों के मामले में उन्हें डॉ. जिचकार के रूप में भी माना जाता है। डॉ. गोविंद कासट के करीबी और लाड़ले के रूप में मित्र मंडल में उनकी ख्याति है। उनकी पहचान केवल उनके पद या पेशे से नहीं, बल्कि उनके ज्ञान, विचारों, कार्यशैली और मानवीय दृष्टिकोण से बनती है। डॉ. राजू डांगे ऐसे बहुआयामी और विद्वान व्यक्तित्व के रूप में अपनी अलग पहचान रखते हैं। डॉ. कासट को जहां डॉ. डांगे सफारी वाले गाड़गेबाबा कहते हैं, वहीं डॉ. कासट उन्हें अपना पसंदीदा व्यक्तित्व मानते हैं।

डॉ. डांगे का व्यक्तित्व ज्ञान और अनुभव का सुंदर संगम है। किसी भी विषय को गहराई से समझने, उसके विभिन्न पहलुओं पर विचार करने और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अन्यों को भी प्रोत्साहित करने की उनकी अदा बहुत अलग है। अपनी बात रखने की उनकी क्षमता उन्हें विशिष्ट बनाती है। अध्ययनशीलता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति उनके व्यक्तित्व

की महत्वपूर्ण विशेषता है। पत्नी वंदना डांगे एलआईसी में वरिष्ठ अधिकारी रहने के बाद भी किसी तरह का गर्व नहीं रहता है। बेटा प्राज्ञका आईआईएम बंगलूर, डॉ. मृणाल के अलावा बेटा मंदार की भी विदेश में स्वयं की कंपनी रहने के बाद भी परिवार की शालीनता किसी को भी प्रभावित करती है।

कोरोना महामारी के दौरान विश्व के 18 देशों को ऑनलाइन योग सिखाने का रिकार्ड भी उनके ही नाम दर्ज है। उनकी बहुगुणी प्रतिभा केवल बौद्धिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशीलता, लोगों के साथ आत्मीय संवाद और सकारात्मक सोच उनके व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बनाती

है। वे मानते हैं कि ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है, जब उसका उपयोग समाज और मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाए। हमेशा पैतृक गांव मुर्तिजापुर के हिरपुर गांव से गहरा लगाव है और व्यस्तता के बाद भी छोटे भाई के साथ जुड़ाव रखकर मिट्टी से जुड़े रहने में भी आगे हैं। माता-पिता को सर्वस्व मानने वाले डॉ. डांगे माता की सेवा अभी भी स्वयं करते हैं। सदैव मुस्कुराहट बांटने वाले डॉ. राजू डांगे का व्यवहार सहज, विनम्र और आत्मीय है। वे अपने अनुभवों को अपने तक सीमित रखने के बजाय दूसरों के साथ साझा करने में विश्वास रखते हैं।

आज के समय में जब सफलता को अक्सर केवल उपलब्धियों से

मापा जाता है, ऐसे में डॉ. डांगे जैसे व्यक्तित्व समाज और शहर के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं। प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में सकारात्मक विचारों का संदेश जहां फैलाते हैं, वहीं कथनी और करनी में अंतर नहीं करते हैं। यह संदेश देते हैं कि ज्ञान के साथ विनम्रता, प्रतिभा के साथ संवेदनशीलता और उपलब्धि के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी है। अभी तक सामाजिक, शिक्षा, ज्ञान तथा प्रेरणादायी विचारों के लिए दर्जनों पुरस्कार से उन्हें नवाजा गया है। स्वयं के बलबूते उन्होंने ने न केवल शहर बल्कि अमरावती का नाम विश्वस्तर पर रोशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी सादगी, विनम्रता के हजारों जहां कायल हैं, वहीं प्रेरणादायी उदाहरण कईयों के जीवन में निराशा खत्म कर आशा

की किरण जलाने की शक्ति रखते हैं। वे डॉ. गोविंद कासट को अपना सामाजिक गुरु और चलता विश्वविद्यालय कहते हैं। उनके जन्मदिन पर हजारों मित्रों की ओर से मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं। आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, तंदरुस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना। सभी मित्रों की शान हैं वे, सभी की शुभकामनाएं।



प्राचार्य संजय शिरभाते महालक्ष्मी नगर, अमरावती.

आत्मीयता से ओतप्रोत, मदद में भी अग्रणी डॉ. राजू डांगे

अंतराष्ट्रीय स्तर पर योग के क्षेत्र में नाम कमाने वाले डॉ. राजू डांगे आत्मीयता से ओतप्रोत व्यक्ति हैं। उनके साथ कम रहने का योग आता है लेकिन जब भी आता है, उनका व्यक्तित्व चुंबक की तरह बिना प्रभावित किए नहीं रहता है। बिना प्रभावित किए नहीं रहता है। तपोवन में कार्यक्रम तथा अभिनंदन बैंक में हुए कार्यक्रम के दौरान उनकी दिल पर सीधी असर करने वाली प्रेरणादायी व्यक्ति और वक्ता की शैली का दर्शन हुआ। छोटे-छोटे उदाहरणों के माध्यम से बड़ी बात आसानी से कहना उनकी खूबी है। उनकी इसी खूबी के हजारों कायल हैं। डॉ. राजू डांगे जहां भी

जाते हैं, अपने सहज, सरल, निर्मल स्वभाव, मधुर वाणी और अपनत्व भरे व्यवहार से लोगों के दिल में विशेष स्थान बना लेते हैं। कम मुलाकात में भी वे अपने लिए दिल में जगह बनाने की ताकत रखते हैं।

आत्मीयता मनुष्य के व्यक्तित्व का वह गुण है, जो रिश्तों को मजबूती प्रदान करता है। सामने वाले की बात ध्यान से सुनना, उसकी भावनाओं को समझना, सुख-दुख में साथ खड़ा रहना और आवश्यकता के समय सहयोग का हाथ बढ़ाना यही सच्ची आत्मीयता की पहचान है। छोटे-बड़े का भेद किए बिना सभी के साथ सम्मान और सद्भाव से व्यवहार

उनकी खूबी है। हर क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने वाले डॉ. राजू डांगे कभी भी अपनी उपलब्धियों का अहंकार नहीं करते, बल्कि दूसरों की सफलता में भी प्रसन्नता महसूस करते हैं। उनके लिए मानव संबंध किसी स्वार्थ का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और भावनाओं का सुंदर बंधन रहता है। वर्तमान के बदलते सामाजिक परिवेश में जब रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब आत्मीयता जैसे मानवीय गुणों का महत्व और भी बढ़ जाता है। आत्मीय व्यवहार से सकारात्मक वातावरण निश्चित तौर पर बनता है, वे जहां भी जाते हैं, सकारात्मकता पैदा करते हैं। इससे विश्वास, सहयोग तथा भाईचारे की भावना मजबूती के साथ

केवल सलाह नहीं बल्कि सहयोग की भावना प्रगाढ़ होती है। आत्मीयता से परिपूर्ण व्यक्तित्व वही है, जिसकी उपस्थिति से लोगों को अपनापन महसूस हो, जिनके विचारों से विश्वास जागे और हर व्यवहार से मानवता की अनुभूति हो। डॉ. राजू डांगे ऐसे ही आदर्श व्यक्तित्व हैं, उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं।



सुभाष दुबे, संपादक विदर्भ स्वाभिमान.

इंद्र ने किया श्रीहरी की तपस्या भंग करने का प्रयास

गतांक से जारी- तोड़कर पूरे वन में डालिए माई ! धरती पर वसंत माधव के यहाँ वन लक्ष्मी को पहुँचाकर विवाह कीजिए माई ! जूही की कलियाँ, चमेली के फूलों को तोड़कर मालाएँ बना दीजिए माई ! उस बसंत के पास विचित्र ढंग से संगीत को बजाइए माई ! ऐसा कहते संगीत लय के साथ गाते-खेलते कोलाहल करने पर राजा का वेश धारण करके तप करनेवाले हरि अंदर ही अंदर हँसते हुए नेत्रों को विनोद से खोल कर कांति के चारों दिशाओं में फैल जाने से हरि उनको देखकर विचलित नहीं हुए. बल्कि मन में लक्ष्मी का ही स्मरण करते हुए, सुवर्ण कमल पर ही अपनी दृष्टि को केंद्रित किया. तब वे कन्याएँ ही भ्रम में पड़कर हरि पर मोहित हो गयीं. तब वे हरि के पास पहुँचकर परिहास से फूलों की मालाओं को लेकर हरि के वक्ष पर लगाने लगी. हँसते हुए, नखरे करते हुए, कपट करते हुए, नाचते हुए, सगान करने के बावजूद अच्युत बिना विचलित हुए निष्ठा के साथ तप कर रहे थे. वीणा बजाते, गाते, नाचते हुए, हिचकारते, विचित्र भंगिमाएँ दिखाते, विनोद करते अपने आप में चपल भाव से पीड़ित होकर नारायण स्वामी के तप को भंग करने के लिए उनसे बात करने की कोशिशें की. फिर भी हरि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा. बल्कि नारायण स्वामी को देखते-देखते उनमें मोह बढ़ गया. यह देखकर कंदर्प को बुरा लगा. वह रुक्मर पक्षियों से कलरव करवाते, मलयानिल को बहाते, मधुपाली बल से, उमंग से अपने तोते वाहन पर आरुढ़ होकर, इच्छा की चाप को चढ़ाकर, नाड़ी को खींचकर प्रबल रूप में पुष्पों

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा
विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsrabhiman.com/9423426199

के बाणों को चक्री पर डालने लगे. हरि पर इस रूप में पुष्प बाण डालते-डालते मन्मथ थक गया. हरि पर जीत हासिल किए बिना वहाँ से लौट गया. तब रंभादि अप्सरसाएँ चिंता करने लगीं. हरि को देखते कुछ सुझे बिना सोचने लगीं 'इसके मन में किस रूप में प्रेम को जगाना है ?

स्वामी के द्वारा विश्वमोहिनी का स्पर्श करना-एक-एक को निहारते हुए 'हे बहने ! इस नरपति का लप हो मा ? ? है. पूर्व विश्वामित्र के तप से भी, बादरायण के तप से भी इनका लप बढ़ गया है. इस महाराज के हाथों में हम हार गयी. अब चली जायेंगी.' उनके इस रूप में सोचते समय हरि ने अपने पास की एक विश्वमोहिनी का स्पर्श किया. देवांगनाएँ वहाँ विश्वमोहिनी

को देखकर, अपने से भी रूप-रेखा लावण्य में उसे सुंदर मानकर, संतोष के साथ उसे देखकर लजित होकर सर झुकाकर इस अद्भुत को देखने लगी. 'इस राजा ने अद्भुत क्रम में इस कांतामणि का सृजन किया है. ऐसी महिमा हमने कहीं नहीं देखी है. लोकातीत होने से ही यह संभव है. लगता है यह पुष्प इस लोक का नहीं है. नहीं तो इस रूप में एकाग्रता से मनुष्य ऐसा कर पायेगा क्या ?' इस रूप में कुछ ने कहा. कुछ लोगों ने इस रूप में कहा. 'अहा ! यह तपसि अगर महामुन नहीं होता तो इस रूप में इतना निष्काम कैसे बनता ? अपने पास अधिक सौंदर्यवती को सृजन करेगा क्या ? यह तपोधन अवनि में एक मनुष्य मात्र नहीं है. साक्षात् माधव ही है. अनजान में हम लज्जा के शिकार हो गयीं. अब हम क्या कर सकती हैं ?' इस रूप में



सारी अंगनाएँ चिंता करने लगी थी. कंदर्प ने इस रूप में सोचा. 'पिता के अपनी माता को प्राप्त करने के लिए यहाँ पर करनेवाले तप को भंग करने मैं क्यों आया ?' ऐसे भय से कंदर्प शीघ्र चला गया. तब बिना कुछ सुझे उस देवाधिदेव महा जगदीश को भक्ति के साथ नमस्कार करके धीमे स्वर में बात करते आवाज किए बिना लक्ष्मीश्वर

से अलग होकर वे अप्सरसाएँ अपने सुरपति इंद्र के पास लौट आयीं. उल्लेखनीय है कि देवताओं के राजा इंद्र द्वारा अपनी गद्दी को लेकर अक्सर इस तरह का कार्य किया जाता रहा है. लेकिन स्वयं भगवान विष्णु की तपस्या में भंग करने का प्रयास करने पर भी प्रभु ने उन्हें माफ किया.

बेजोड़ स्वाद, विश्वास, प्यार है बड़ी कमाई है

श्री बालाजी कैटरर्स बना है सबकी पसंद, गुणवत्ता से नहीं करते हैं द्वारका व्यास कभी समझौता

विदर्भ स्वाभिमान, 30 सितंबर

अमरावती- वर्तमान में किसी भी क्षेत्र में कामयाबी आसान नहीं है लेकिन अगर गुणवत्ता, विश्वसनीयता, काम के प्रति समर्पण है तो किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हासिल की जा सकती है. इस बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटरर्स के संचालक द्वारकादास व्यास, बेटे अर्जुन और परिवार ने. गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की खूबी के कारण आज भी एक बार जहाँ उनकी सेवा ली जाती है, वह व्यक्ति हमेशा के लिए उनका बन जाता है.

जीवन में किसी भी क्षेत्र में तरक्की आसान नहीं है. लेकिन मेहनत, समर्पण और लगन के साथ ही अपनों का साथ हो तो निश्चित ही तरक्की असंभव भी नहीं होती है. इस बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटरर्स ने. पिता द्वारकादास व्यास और पुत्र अर्जुन की जोड़ी ने आज इस व्यवसाय को जहाँ आसमानी बुलंदी प्रदान की है, वहीं आज शहर ही नहीं तो जिलास्तर पर सुख्यात फर्म बन गई है. गुणवत्ता, तत्पर सेवा, बेहतरीन टीम के



कारण बड़े से बड़े आयोजन को यह पिता-पुत्र की जोड़ी साथ में मां का साथ ने पूरा किया है. स्वयं रोजगार के साथ ही कईयों को भी रोजगार दिया है. आज गुणवत्ता का जमाना है, इसमें जो गुणवत्ता में खरा उतरेगा, वही आगे बढ़ेगा. गुणवत्ता के मामले में वर्षों से लोगों के दिलों में स्थान बनाने वाला श्री बालाजी कैटरर्स खरा उतरा है. लोगों के विश्वास को ही संचालक द्वारका व्यास और पुत्र अर्जुन व्यास अपनी असली कमाई मानते हैं. वे कहते हैं कि अगर गुणवत्ता और मेहनत

के साथ ही मीठी जुवान है तो दुनिया में कोई भी चीज असंभव नहीं है. उन्हें तो यही अनुभव आया है. श्री बालाजी कैटरर्स न केवल शहर बल्कि जिले में लोकप्रिय स्थान पर पहुँच गया है. हजारों लोगों का स्वादवाला भोजन बनाने के साथ ही बेहतरीन इंतजाम इनकी जहाँ खूबी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता के मामले में कभी समझौता नहीं करते हैं. किसी भी क्षेत्र में कामयाबी आसान नहीं रहती है लेकिन अगर गुणवत्ता हो, मधुर वाणी हो, ईमानदारी हो तो किसी भी क्षेत्र में परचम फहराना कठिन भी नहीं है. इसी बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटरर्स ने. माता-पिता और पुत्र की त्रिवेणी संगम जोड़ी ने जिस तरह से प्रतिष्ठान को क्रामयाबी दिलाई है, वह लोगों के लिए उदाहरण बन गया है. लगातार व्यवसाय बढ़ रहा है, इसका श्रेय वे ग्राहकों के विश्वास और ईमानदारी को देते हैं. सदा मदद का भाव रखते हैं. इसे अपनी कामयाबी का राज मानते हैं.

आप जैसे मार्गदर्शक, सहयोगी और प्रेरणादायक व्यक्तित्व का होना हमारे लिए सौभाग्य है...

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आपका जीवन सदैव खुशियों से भरा रहे, स्वास्थ्य उत्तम रहे, सफलता आपके कदम चूमे, और हर दिन आपके लिए नई ऊर्जा और नई उपलब्धियाँ लेकर आए।
आप सदैव ऐसे ही हम सबके लिए प्रेरणा बने रहें।

जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी, सदस्य, डॉ. मनीष दुबे मित्र मंडल, विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती.

“सेवा परमो धर्मः”
सेवा ही सर्वोच्च धर्म है

“मनुष्य गढ़ा,
तो समाज गढ़ता है।”



व्याख्याता परिचय - एड. डॉ. राजू रामराव डांगे

राष्ट्रीय प्रशिक्षक | वक्ता | सॉफ्ट स्किल ट्रेनर
अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक | जीवन प्रशिक्षक



प्रशिक्षक



वक्ता



योग प्रशिक्षक



सॉफ्ट स्किल
ट्रेनर



जीवन
प्रशिक्षक



Inspire • Enable • Transform



प्रशिक्षण व व्यावसायिक कार्य

- JCI India के राष्ट्रीय प्रशिक्षक
- 6000+ प्रशिक्षण व कार्यशाला सत्र
- सफलतापूर्वक संपन्न
- 90+ विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान: व्यक्तित्व विकास, संवादकौशल, नेतृत्व, जीवनकौशल, सॉफ्ट स्किल, टीम बिल्डिंग, समय प्रबंधन, योग व आरोग्य.



योग व आरोग्य एवं सामाजिक कार्य

- अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक - योग के माध्यम से संपूर्ण आरोग्य
- “संबंध-अंतरराष्ट्रीय योग संघ” - जनजागृति हेतु निःशुल्क मार्गदर्शन
- योगशिविर, स्वास्थ्य शिविर, मानसिक आरोग्य कार्यक्रम
- कुष्ठरोग, दिव्यांग, बेघर व जरूरतमंदों हेतु सामाजिक सेवा
- महिला सशक्तीकरण व सामाजिक जागृति हेतु कार्य



कुटुंब

- पत्नी - सी. वंदना डांगे (LIC, प्रशासनिक अधिकारी)
- पुत्री - प्राजक्ता डांगे (B.E., MBA - IIM Bengaluru, Tata Play)
- पुत्र - मंजर डांगे (B.Tech., Startup उद्यमी)
- पुत्री - डॉ. मृणाल डांगे (MBBS)



शिक्षण और शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- कानून विषय में Ph.D.
- ग्रामविकास में D.Litt.
- विविध विषयों में 19 उपाधियाँ/शैक्षणिक योग्यता
- शिक्षण माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व सामाजिक जागरूकता



पुरस्कार और सम्मान

- योगगुरु ब्रह्मा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार
- महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार
- American Health Leader of the Year
- भारत भूषण पुरस्कार - 2025, मुंबई
- समाजभूषण पुरस्कार - अमरावती
- राष्ट्रीय उत्कृष्ट सामाजिक सेवा पुरस्कार, नई दिल्ली
- OBC समाजभूषण पुरस्कार
- अन्य अनेक राष्ट्रीय/राज्यस्तरीय सम्मान



सामाजिक नेतृत्व व जीवनदृष्टि

- सामाजिक नेतृत्व: JCI India - अमरावती गोल्ड के माजी अध्यक्ष
- श्री शिवराम बाबा पलाशी संस्थान के माजी अध्यक्ष
- विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में मार्गदर्शक/सल्लागार
- Art of Living तथा Happy Thoughts उपक्रम के सक्रिय सदस्य

जीवनदृष्टि

“फक्त मोठे होऊ नका; चांगले व्हा. फक्त यशस्वी होऊ नका; उपयोगी व्हा. आणि फक्त स्वतःसाठी जगू नका; इतरांच्या जीवनातही प्रकाश बना।”

सुदर्शन गांग, डॉ. गोविंद कासट, डॉ. सुभाष गवई, प्रदीप जैन, प्राचार्य संजय शिरभाते, सुभाष दुबे, विवेक सहस्त्रबुद्धे तथा डॉ. राजू डांगे असंख्य मित्र परिवार तथा हजारों योगाभ्यासी मित्र मंडल, आनंद परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार.

कृतज्ञता जताई गई.

**सच्चाई अपना घर,
हमारे फर्निचर के संग**

1985 से
विश्वविश्व ब्राह्मण सेवा में उत्कृष्ट

**मुम्बई
इमारी
पहचान**

श्री आनंद एजेंसीज

सबिं ब्रह्मरूपे ओजित, हरिचिदान्न, स्कूल, कॉलेज व फाल्गुनी फर्निचर उपलब्ध

• उपलब्ध फर्निचर •

✓ एक्जिक्यूटिव चेयर

✓ डिप्लोम चेयर

✓ ऑफिस टेबल

✓ कॉम्प्यूटर फर्निचर

✓ स्टील जलपात्री

✓ धार्मिक मंजु

✓ स्कूल बैक

✓ स्कूल / कॉलेज डेस्क

✓ हरिचिदान्न फर्निचर

✓ सोफा सेट

✓ गैडगुड फर्निचर

✓ किचन व डीन फर्निचर

1985
से विश्वविश्व
ब्राह्मण सेवा
में उत्कृष्ट

• अधिकृत डिजिटल एजेंट •

सहकारिता

सहकारिता

सहकारिता

सहकारिता

सहकारिता

सहकारिता

सहकारिता

स्कूल / कॉलेज डेस्क

धार्मिक मंजु

स्टील जलपात्री

डिप्लोम चेयर

ऑफिस टेबल

उत्तम गुणवत्ता

वाजवी दर

समय पर डिलीवरी

साइकल सेल्फि

**गणेश्वर मार्केट, उमामाया नवीय समोर,
बस स्टैंड रोड, अमरावती - 444 602**

☎ फोन : 9721 2663062

आपकी पसंद हमारा संस्करण, आपका मनोकांक्ष पूर्ण स्वप्न

9422995452
9422156496

Email :
prashnagmail-38@gmail.com

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.

एन.ए.ए.ए.



गुरुवार 1 से 6 अक्तूबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियाँ भरा रहने वाला है. गणेशोत्सव के साथ अन्य पर्वों की खुशियाँ सदा प्रसन्न करेंगी. वाहन धीरे से चलाएँ और नाहक वाद-विवाद से सप्ताह में बचना आपके लिए श्रेयस्कर होगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा. दूसरे के फटे में टांग अड़ाने से बचने का प्रयास करें.

मेघ- अपनी टीम को साफ़ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी. घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुरक्षा और कॉन्फिडेंस देगी.

वृषभ- आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा. इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन- अपने जूनियर्स और क्लीर्क की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मजबूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज़्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क- आपको काम की जगह पर कोई जिम्मेदार पद या ज़रूरी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह- काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे. जीवन में खुशियाँ बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

कन्या- इस हफ़्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौक़े मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तला- अच्छी संहत आपको पूरे हफ़्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौक़ों का रास्ता बनाएगी. घर

पर बहुत ज़्यादा सख़्त या बेसह्र....

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौक़ा देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मजबूत फ़ाइनैशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हँडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर- काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेंपर और स्पोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सायर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे.

कभ- अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा.

मीन- सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेज़ी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो. विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.

आदर्श समाज सचिव हैं मनीष दुबे

पेज 2 से जारी- सम्मानपूर्वक बताते हुए सुधार का प्रयास किया जाता है. डॉ. दुबे की सबसे बड़ी विशेषता उनका संवेदनशील और सहयोगी स्वभाव है. वे रिश्तों को केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रखते, बल्कि मानवीय संबंधों को पूरी आत्मीयता से निभाने में विश्वास रखते हैं. ज़रूरतमंद के साथ खड़ा होना, समाजोपयोगी कार्यों में सहभागिता करना और लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक समझना उनके व्यक्तित्व की खूबसूरती है. स्थितियाँ कैसी भी हों, वे जिस तरह से विनम्रता और मुस्कराहट इसे हल करते हैं, निश्चित ही यह उनके बेहतरीन नेतृत्व कला की खूबी कहना गलत नहीं होगा. मैं कुछ मौक़े पर उनसे मिलने के बाद स्वयं भी अर्चिभूत हो गया और उनके विद्वता में विनम्रता, सभी को साथ लेकर चलने की खूबी का कायल हो गया.

उनकी मुस्कान, सरलता और सकारात्मक सोच आसपास के वातावरण को सहज बना देती है. यही कारण है कि उन्हें सम्मान और स्नेह प्राप्त होता है. वास्तव में, पद या प्रतिष्ठा से बड़ा वह व्यक्तित्व होता है जो लोगों के दिलों में जगह बनाए और इसी अर्थ में डॉ. मनीष दुबे को श्री सरयूपारिण समाज के लिए भूषण और दिल का राजा व्यक्ति कहना गलत नहीं होगा. उनके जैसे नेतृत्व से ही समाज मजबूत होता है और आगे बढ़ता है. विवादों में नहीं पड़ते हुए सदा अपने काम और सौपी गई जिम्मेदारी को पूरी शिद्दत के साथ निभाने की उनकी खूबी सराहनीय कही जा सकती है. सेवा, संवेदना, आत्मीयता और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण डॉ. मनीष दुबे का व्यक्तित्व समाज के लिए एक सकारात्मक प्रेरणा है. ऐसे लोग हर समाज के लिए भूषण होते हैं. समाज के साथ ही डॉ. मनीष



दुबे का शिक्षा क्षेत्र तथा समाजसेवा में कार्य निश्चित ही अन्यो के लिए प्रेरणादायी कहना गलत नहीं होगा.

हम सरयूपारिण सामाजिक वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से जिस तरह से समाज की समस्याओं को बेहतरीन तरीके से रखा जाता है और समाज का समर्थन और साथ लिया जाता है, समाज के किसी भी व्यक्ति द्वारा पुछे गए सवाल का जवाब भी डॉ. मनीष पूरी शालीनता के साथ देते हैं, यह उनके व्यक्तित्व की ऊँचाई के साथ ही उनकी खूबियों और नेतृत्वगुण के भी प्रदर्शित करता है. कभी किसी की बात का बुरा नहीं मानना, सभी का समाधान करने की उनकी खूबी के कारण ही उन्हें सभी दिल से चाहते हैं और सम्मान भी देते हैं. उनके बारे में अंत में एक शायरी तो बनती ही है....

जनसेवा का जज्बा दिल में लेकर जो चलता है,

वही सच्चा सेवक बनकर लोगों के दिलों में बसता है।

ऐसे प्रेरणादायक युवा सेवी को जन्मदिन की बधाई,

आपकी सफलता से ही समाज में खुशहाली आई।

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी, अकोली
रोड, अमरावती.
मो. 9423426199

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199 / 8855019189

सन् 1967 पासून

**अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटसचे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट**

संजय एजंसीज्

**टाऊन हॉल समोर,
नेहरू**

**मैदान, अमरावती. फोन
2564125, 2674048**



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

श्री मारोती देवस्थान की भूमि हड़पने का प्रयास विफल

विदर्भ स्वाभिमान, 30 सितंबर अमरावती-शेंदुरजना बाजार (ता. तिवसा, जि. अमरावती) स्थित श्री मारोती देवस्थान के स्वामित्व वाली करोड़ों रुपए मूल्य की कृषि भूमि हड़पने के प्रयास को प्रशासन ने विफल कर दिया है। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ की सतर्कता एवं निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप चांदूर रेलवे के तहसीलदार ने कुछ जमीन खरीद अधिकार का आवेदन खारिज कर दिया है तथा देवस्थान के अधिकार पर कानूनी रूप से मुहर लगाई है। मंदिर महासंघ द्वारा शहर के साथ जिले में भी कई देवस्थानों की जमीनों के मामले में की गई गड़बड़ी का पर्दाफाश किया गया है। इस फैसले के लिए चांदूर रेलवे के तहसीलदार की महासंघ के साथ ही हजारों हनुमान भक्तों द्वारा सराहना की जा रही है।

श्री मारोती देवस्थान (शेंदुरजना बाजार) के स्वामित्व वाली चांदूर रेलवे (भाग-1) स्थित गट क्र. 63 की 0.79 हेक्टेयर कृषि भूमि है। यह भूमि नगर परिषद की सीमा में आने के कारण इसका बाजार मूल्य अत्यंत अधिक है। इस भूमि से बड़ा आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से दामोदर रामभाऊ नागमोते ने कुल कानून के

मंदिर महासंघ के प्रयासों से करोड़ों क़ी भूमि सुरक्षित, अनूप जयस्वाल की पहल ने दिखाया रंग, भक्तों में अपार हर्ष

चांदूर रेलवे तहसीलदार का ऐतिहासिक निर्णय : टेनन्सी कानून के अंतर्गत जमीन खरीद का आवेदन खारिज, हनुमान भक्तों में खुशी

अंतर्गत जमीन खरीद का अधिकार प्राप्त करने हेतु चांदूर रेलवे के तहसीलदार तथा शेतजमीन न्यायाधिकरण के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। इसके अनुसार भूमि की खरीद प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई थी।

यह गंभीर विषय ध्यान में आते ही महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के राज्य पदाधिकारी और अभी तक देवस्थान की जमीन दबाने के कई मामलों का खुलासा करने में सफल रहे अनुप जयस्वाल एवं विनीत पाखोडे ने तत्काल पहल की। उन्होंने अतिरिक्त गैर-अर्जदार के रूप में न्यायालय में ठेस आपत्ति दर्ज कराई। उक्त देवस्थान पंजीकृत धार्मिक संस्थान है तथा उपविभागीय अधिकारी के 14 जून 1960 के आदेश के अनुसार इस भूमि को कुल कानून की धारा 129(ब) के अंतर्गत छूट प्रमाणपत्र प्राप्त होने की बात उन्होंने प्रमाणों सहित प्रशासन के ध्यान में लाई। साथ

ही, भूमि की विक्री प्रक्रिया तत्काल रद्द करने की मांग की।

इस प्रकरण में दोनों पक्षों की दलीलों एवं दस्तावेजों की गहन जांच-पड़ताल करने के उपरांत तहसीलदार सौ. पूजा एस. माटोडे ने 27 अगस्त 2026 को महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। देवस्थान की भूमि पर कुल अधिकार लागू नहीं होता तथा आवेदक मूल कुल का वारिस है, यह सिद्ध नहीं होने के कारण उन्होंने आवेदक का खरीद अधिकार का आवेदन खारिज कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के कारण देवस्थान की करोड़ों रुपए मूल्य की संपत्ति सुरक्षित रह गई है। तहसीलदार के इस फैसले से देवस्थान से जुड़े पदाधिकारियों के साथ ही हनुमान भक्तों में भी खुशी की लहर है।

इस निर्णायक सफलता में महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के राज्य पदाधिकारी श्री. अनुप जयस्वाल एवं श्री. विनीत पाखोडे के साथ ही देवस्थान के विश्वस्त श्री. सतीश सावरकर, श्री. प्रफुल्ल उमप, श्री. राजेंद्र सावरकर तथा अन्य सभी

विश्वस्तों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस सफल कार्रवाई के कारण संपूर्ण परिसर एवं श्रद्धालुओं में आनंद का वातावरण है। देवस्थान एवं हिंदुओं के अधिकारों के लिए कार्यरत महाराष्ट्र मंदिर महासंघ एवं हिंदू जनजागृति समिति के कार्य की सर्वत्र सराहना हो रही है। पहले भी महासंघ ने इस तरह के कई मामलों में अपनी पहल के साथ ही प्रयासों से जीत हासिल की थी।



हमारे यहां

हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में

प्रेस नोट, जन्मदिन के लेख,

विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार, इसार चिट्ठी सहित साप्ताहिक तथा दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय देने का कार्य समुचित दर पर किया जाता है।

- ✓ प्रेस नोट
- ✓ जन्मदिन के लेख
- ✓ विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार
- ✓ इसार चिट्ठी
- ✓ साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय



संपर्क



9423426199 / 8208407139

खुशियों के हर प्रकार के रंग
उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुड के

